MASA-02

December - Examination 2025
M.A. (Previous) Examination
SANSKRIT
ललित साहित्य एवं नाटक
Paper : MASA-02

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) मेघदूत में यक्ष की प्रियतमा कहाँ रहती थी?
   (ii) गीतिकाव्य किसे कहते हैं?
   (iii) काव्य के कितने भेद हैं? नाम लिखिए।
   (iv) मुद्राराक्षस नाटक के नायक का नाम लिखिए।
   (v) मुद्राराक्षस किस प्रकार का नाटक है?
   (vi) मृच्छकटिकम् नाटक के तृतीय अंक का नाम लिखिए।
   (vii) 'मृच्छकटिकम्' के विदूषक का क्या नाम है?
   (viii) याज्ञवल्क्य स्मृति के तीनों अध्यायों के नाम लिखिए।

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक का संदर्भ, प्रसंग एवं अन्वय सहित हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए –

   (अ) रत्नच्छायाव्यतिकर इव प्रेक्ष्यमेतत्पुरस्तात्,
   वल्मीकाग्रात् प्रभवति धनुःखण्डमाखण्डलस्य।
   येन श्यामं वपुरतितरां कान्तिमापत्स्यते ते,
   बर्हेणेव स्फुरितरुचिना गोपवेषस्य विष्णोः।।

   अथवा

   (ब) तत्रागारं धनपतिगृहानुत्तरेणास्मदीयं
   दूराल्लक्ष्यं सुरपतिधनुश्चारुणा तोरणेन।
   यस्योपान्ते कृतकतनयः कान्तया वर्धितो मे
   हस्तप्राप्यस्तबकनमितो बालमन्दारवृक्षः।।

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए –

(अ) समुत्खाता नन्दा नवह्रदयरोगा इव भुवः
कृता मौर्यो लक्ष्मीः सरसि नलिनीव स्थिरपदा।
द्वयोः सारं तुल्यं द्वितयमभियुक्तेन मनसा
फलं कोप–प्रीत्योर्द्धिषति च विभक्तं सुह्रदि च।।

अथवा

(ब) स्वच्छन्दमेकचरमुज्ज्वलदानशक्ति
मुत्सेकिना मदबलेन, विगाहमानम्।
बुद्धया निगृह्य वृषलस्य कृते त्रियाया में
मारण्यकं गजमिव प्रगुणीकरोमि।।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए –

(अ) सत्यं न मे विभवनाशकृतास्ति चिन्ता
भाग्यक्रमेण हि धनानि भवन्ति यान्ति।
एतत्तु मां दहति नष्टधनाश्रयस्य
यत्सौह्रदादपि जनाः शिथिलीभवन्ति।।

अथवा

(ब) अन्धस्य दृष्टिरिव पुष्टिरिवातुरस्य
मूर्खस्य बुद्धिरिव सिद्धिरिवालसस्य।
स्वल्पस्मृतेर्व्यसनिनः परमेव विद्या
त्वां प्राप्य सा रतिरिवारिजने प्रनष्टा।।

5. मुक्तक एवं प्रबंध गीतिकाव्य में क्या अंतर है?
6. 'मुद्राराक्षसम्' नाटक के आधार पर चाणक्य का चरित्र चित्रण कीजिए।
7. 'मृच्छकटिकम्' के आधार पर वसन्तसेना का चरित्र–चित्रण कीजिए।
8. **'मुद्राराक्षसम्'** नाटकानुसार किन्हीं दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिए –
   (अ) अयमपरो गण्डस्योपरि स्फोटः।
   (ब) दैवम् अविद्वांसः प्रमाणयन्ति।
   (स) परायत्तः प्रीतेः कथमिव रसं वेत्ति पुरुषः।
   (द) अत्यादरः शङ्कनीयः।
9. **'मृच्छकटिकम्'** नाटकानुसार किन्हीं दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिए –
   (अ) अहो निधनता सर्वापदामास्पदम्।
   (ब) भाग्यक्रमेण हि धनानि भवन्ति यन्ति च।
   (स) न कालमपेक्षते स्नेहः।
   (द) साहसे श्रीः प्रतिवसति।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. 'मेघदूतम्' के मेघ मार्ग के आधार पर भारत के भूगोल की समीक्षा कीजिये।
11. नाटक किसे कहते हैं? नाटक के भेदों का उल्लेख करते हुए संस्कृत नाटकों की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
12. 'मृच्छकटिकम्' नाटक के आधार पर चारुदत्त का सोदाहरण चरित्र–चित्रण कीजिए।
13. 'मुद्राराक्षसम्' नाटक में पञ्च सन्धि सन्निवेश को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।